केकेआर में सभी के साथ समान व्यवहार होगा : गंभीर

कोलकाता ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मैंटोर गौतम गंभीर ने आईपीएल 2024 से ठीक पहले अपनी टीम का हौंसला बढ़ाया है। गंभीर की कप्तानी में टीम ने दो बार खिताब जीता था। अब अनका लक्ष्य टीम को तीसरा खिताब जिताना है। गंभीर ने अपनी टीम से जुड़ने के बाद कहा कि टीम में सीनियर जूनियर जैसा कोई सवाल नहीं हैं और सभी समान हैं। केकेआर द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जो बहुत, बहुत अहम है। इसलिए जो लोग मेरे साथ खेले हैं, वे मेरे बारे में एक बात जानते होंगे, कि इस समूह में सभी के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। कोई सीनियर जूनियर नहीं है। कोई घरेलू, अंतरराष्ट्रीय नहीं है। गंभीर ने कहा कि हम इस सत्र में अपनी ओर से सभी प्रयास करेंगे। यह एक बहुत ही गौरवान्वित और सफल फ्रेंचाइजी है। आप लोग एक बहुत ही सफल फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सुनिश्चित करें कि आप उसी तरह से प्रशिक्षण लेते हैं, आप उस तरह से खेलते हैं और आप मैदान के चारों ओर उसी तरह का रवैया अपनाते हैं। यह बहुत, बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है। और एक बात जिस पर मैं पूरी तरह विश्वास करता हूं वह है खिलाड़ियों को पूरी आजादी देना। गंभीर ने कहा कि हमें एक मिशन मिला है और वह है इस आईपीएल को जीतना। इसलिए हर किसी को उस एक सरल मार्ग का अनुसरण करने की आवश्यकता है।

आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर डब्लयूपीए खिताब जीता

नई दिल्ली।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीए) खिताब जीत लिया है। आरसीबी ने खिताबी मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर ये खिताब अपने नाम किया। कैपिटल्स की टीम दूसरी बार खिताब नहीं जीत पायी है। वहीं पहले चरण में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में मुंबई इंडियंस के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। आरसीबी की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी और उसने धीमी शुरूआत के बाद भी मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 18.3 ओवर में ही 113 रनों पर आउट हो गयी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम ने 19.3 ओवर में दो विकेट पर 115 रन बनाकर जीत दर्ज की। आरसीबी की ओर से ऋचा घोष ने नाबाद 17 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। मंधाना ने 39 गेंद में 31 रन बनाये जबकि सोफी डिवाइन ने से 32 रन बनाये। एलिसे पैरी 35 रन बनाकर आउट नहीं हुईं। आरसीबी ने इस प्रकार महिला (डब्ल्यूपीएल) में पहली बार खिताब जीता है। इस मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के 44 रन और कप्तान मेग लैनिंग के 23 रन की सहायता से टीम ने 43 गेंद में बिना विकेट खोये 64 रन बनाये। इसके बाद टीम ने तेजी से विकेट खो दिये। स्पिनर सोफी मोलिनू ने तीन विकेट लिए। आरसीबी की श्रेयंका पाटिल ने 3.3 ओवर में ही 12 रन देकर चार विकेट लिए। दिल्ली कैपिटल्स के लिए बल्लेबाज लैनिंग और शेफाली ने अच्छी शुरूआत की पर इनके आउट होने के बाद टीम ढ़ह गयी।

इंडियन वेल्स

लगातार दूसरी बार चैंपियन बने अल्कराज

कैलिफोर्निया।

इंडियन वेल्स ओपन फाइनल में कार्लोस अल्कराज ने डेनियल मेदवेदेव को 7-6(5), 6-1 से हराकर अपनी ट्रॉफी का बचाव किया, जबकि इगा स्वीयाटेक ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना मारिया सक्कारी को 6-4, 6-0 से हराकर अपने करियर का 20वां खिताब जीता। कार्लोस अल्कराज के लिए, अपने खिताब की रक्षा करने की यात्रा चुनौतियों से भरी थी। टखने की समस्या से जूझ रहे युवा स्पैनियार्ड को फाइनल में डेनियल मेदवेदेव के खिलाफ एक कठिन लड़ाई का सामना करना पड़ा। फाइनल मैच में एक मुश्किल शुरूआती सेट के बाद अल्कराज ने शानदार कमबैक किया। इस सेट में मेदवेदेव 6-5 से आगे थे। हालांकि, अल्कराज ने टाई-ब्रेक के जरिए वापसी करते हुए 7-5 से बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में मैच की कहानी अलग दिखी और अल्कराज ने विश्व नंबर 4 को हराते हुए वर्ष का अपना पहला खिताब जीता। साथ ही ये उनका पिछली गर्मियों में विंबलडन के बाद पहला खिताबी जीत भी है। अल्कराज इंडियन वेल्स ताज का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले केवल छठे खिलाड़ी हैं। साथ ही 2016 में नोवाक जोकोविच के बाद इंडियन वेल्स में लगातार दो बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। अपनी शानदारक जीत पर अल्कराज ने हर चुनौतियों पर डटे रहने और इंडियन वेल्स के भव्य मंच पर इस क्षण का लाभ उठाने के लिए सबका आभार व्यक्त किया। उनकी जीत न केवल टेनिस जगत में एक उभरते सितारे के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है, बल्कि दृढ़ता और आत्म-विश्वास की शक्ति के प्रमाण को भी दर्शाती है। अल्कराज ने कहा, मैं अभी बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यहां खेलना मेरे लिए बहुत खास है लेकिन मुझे लगता है कि यह साल कुछ ज्यादा ही खास है क्योंकि टूर्नामेंट से पहले मैं सोच रहा था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ खेल पाऊंगा या नहीं। मैं टखने की चोट के कारण अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। इसलिए मेरे मन में बहुत संदेह था, लेकिन मैं उन समस्याओं से उबरने में सक्षम होने और अंत में बेहतर महसूस करने से वास्तव में खुश था। महिलाओं के फाइनल में, इगा स्वीयाटेक ने मारिया सक्कारी पर दो सीधे सेटों में शानदार जीत के साथ महिला सर्किट पर अपना दबदबा दिखाया युवा खिलाड़ी स्वीयाटेक ने शुरुआत में ही 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन सक्कारी ने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए वापसी की और अपने प्रतिद्वंद्वी के लिए खतरा पैदा करना शुरू कर दिया। इसके बाद ग्रीक खिलाड़ी ने स्वीयाटेक के साथ स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया और फिर मैच यहां से बढ़कर 4-4 की बराबरी पर गया। कुल मिलाकर दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी। लेकिन अंत में, पोलैंड के उभरते सितारे ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

स्वीयाटेक ने अपने 69 डब्ल्यूटीए 1000 मैचों में से हर एक में जीत हासिल की है। स्वीयाटेक ने अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए दुनिया की 9वें रैंक की खिलाड़ी को हराया। स्वीयाटेक ने लगभग हर मुकाबले में अपनी सर्वोच्च गुणवत्ता दिखाई।

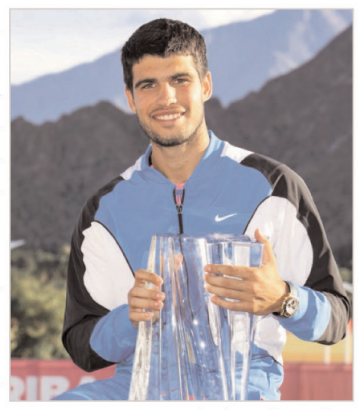

फाइनल मुकाबले के अंतिम सेट में मारिया पूरी लाचार दिखीं। दूसरे सेट में मारिया सक्कारी को 6-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिसका अंत पहले सेट के ठीक 20 मिनट बाद हुआ।

कुंबले ने किया अश्विन की जमकर तारीफ

चेन्नई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के 500 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने पर भारतीय टीम के पूर्व स्पिन गेंदबाज अनिल कुंबले ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। कुंबले ने कहा कि पिछले एक दशक में इस गेंदबाज के सामने कई चुनौतियां आई पर वह लगातार सीखने के जुनून और इच्छाशक्ति के कारण इस गेंदबाज ने सफल पाया हैं। भारत की तरफ से सबसे तेज 500 विकेट पूरे करने के बाद वर्तमान में अश्विन के नाम टेस्ट में 516 विकेट है। अश्विन इस वक्त भारत के लिए कुंबले (619) के बाद दूसरे सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। भारत के पूर्व लेग स्पिनर कुंबले ने कहा कि वे इससे बिल्कुल भी आश्चर्यचकित नहीं हैं।

तमिलनाडु क्रिकेट संघ द्वारा अश्विन को 100 टेस्ट और 500 विकेट पूरे करने पर एक सम्मान समारोह आयोजित किया था, कुंबले ने इस समारोह में कहा, ''अश्विन के सामने कई चुनौतियां आई हैं, पर उन्होंने किसी भी चुनौती को अपनी प्रगति में रोड़ा बनने का मौका नहीं दिया। वह एक दशक से अधिक समय से देश के लिए एक असाधारण मैच विजेता रहा है, और

उसने जो निरंतरता दिखाई है, वह शानदार है. इस तरह की सफलता के लिए अपने उद्देश्य के प्रति पूर्ण समर्पण की आवश्यकता है।''कुंबले ने आगे कहा कि अश्विन भारतीय प्रशंसकों द्वारा उनसे की गई भारी उम्मीदों से निपटने में सक्षम हैं। कुंबले ने खेल के बारे में विशेषकर प्रतिद्वंद्वी के खेल के बारे में अश्विन की परख की प्रशंसा की। कुंबले ने आगे कहा कि 'जब मैं भारतीय टीम का कोच था तब हमने एक साल तक एक साथ काम किया था। अश्विन पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरते है। जिन खिलाड़ियों के खिलाफ उनका मुकाबला था उनके बारे में वह पूरी जानकारी रखते थे।''

मंधाना ने डब्लूयपीएल खिताब जीतकर अहम उपलब्धि अपने नाम की

नई दिल्ली ।

स्मृति मंधाना ने अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को महिला प्रीमियर लीग (डब्लूयपीएल) खिताब जिताकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। वहीं विराट कोहली की कप्तानी में पुरुष टीम एक बार भी ये खिताब नहीं जीत पायी थी। फाइनल से पहले मंधाना ने कहा था कि जो आरसीबी की पुरुष टीम के साथ हुआ है। उससे उनकी तुलना न करें दोनो ही बातें अलग हैं। आरसीबी ने मंधाना को तीन करोड़ 40 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा था। वह महिला आईपीएल में बिकने वाली सबसे महंगी खिलाड़ी हैं जिसका लाभ अब टीम को खिताब के रुप में मिला है। मंधाना की नेट वर्थ करीब 33 करोड़ रुपए के आस पास है। मंधाना को बीसीसीआई से सालाना 50 लाख रुपये का रिटेनर मिलता है। इसके अलावा इस क्रिकेटर को प्रत्येक टेस्ट, एकदिवसीय और टी20ई के लिए 4 लाख, 2 लाख और 2.5 लाख रुपये मिलते हैं।

मंधाना को ब्रांड एनडोर्समेंट से भी अच्छी कमाई होती है। वह बूस्ट, हीरो मोटोकोर्प जैसी और भी कंपनी का विज्ञापन करते हुए भी नजर आती है। मंधाना ने टेस्ट मैच में डेब्यू साल 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ किया था।. इसमें उन्होंने टीम को जिताने में मदद की थी जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। उन्होंने एकदिवसीय में डेब्यू बांग्लादेश के खिलाफ 10 अप्रैल 2013 को किया था।

अपने आप को धोनी के कर्जदार मानते है अश्विन

- अश्विन ने 17 साल पुराने किस्से को किया याद, बोले- तब मैं कुछ भी नहीं था

चेन्नई । भारतीय टीम के स्टार स्पिन गेंदबाज आर अश्विन ने 17 साल पहले हुए एक वाक्या को याद करते हुए एमएस धोनी की खूब प्रशंसा की। अश्विन ने कहा कि वे अभी तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2011 के फाइनल में महेंद्र सिंह धोनी द्वारा नयी गेंद सौंपकर दिखाए गए भरोसे को नहीं भूले हैं। जिसके कारण उनके करियर को नई दिशा मिली और इसके लिए वह खुद को पूर्व भारतीय कप्तान का कर्जदार मानते हैं। लीक से हटकर रणनीति बनाने में माहिर धोनी ने 2011 आईपीएल के फाइनल मैच में आर अश्विन को नई गेंद थमाई थी जिसका मान रखते हुए इस उभरते हुए ऑफ स्पिनर ने चौथी ही गेंद पर फॉर्म में चल रहे क्रिस गेल को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया था। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए चेपक की वो जादुई रात अश्विन के लिए बस एक शुरुआत थी और तब से एक दशक के उतार चढ़ाव भरे सफर में उन्होंने 100 टेस्ट खेल लिए हैं और खेल के पारंपरिक प्रारूप में 516 विकेट झटक लिए हैं। तमिलनाडु क्रिकेट संघ द्वारा 500 विकेट और 100 टेस्ट की दोहरी उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान अश्विन उस पल को नहीं भूले हैं जब धोनी ने उन पर भरोसा दिखाया था। इस कार्यक्रम में अश्विन ने भावुक होते हुए कहा, 'मैं आम तौर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्दों की तलाश नहीं करता। मैं यहां आकर सच में इस सम्मान के लिए आभारी हूं.' अपने पहले आईपीएल कप्तान धोनी को श्रेय देते हुए अश्विन ने कहा, '2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के ड्रेसिंग रूम में मैं सभी महान खिलाड़ियों मैथ्यू हेडन और एमएस धोनी से मिला। तब मैं कुछ भी नहीं था और मेरा उस टीम में खेलना जिसमें मुथैया मुरलीधरन थे.' बकौल अश्विन, 'धोनी ने मुझे जो दिया, उसके लिए मैं जिंदगी भर उनका कर्जदार रहूंगा। उन्होंने मुझे नई गेंद से मौका दिया जबकि सामने क्रिस गेल थे और 17 साल बाद अनिल भाई इसी घटना के बारे में बात कर रहे हैं। चेन्नई की टीम ने 2008 में अश्विन को स्थानीय स्पिनर के तौर पर शामिल किया था।

पाटीदार के टेस्ट फार्म का आईपीएल में असर नहीं पड़ेगा : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से पहले कहा है कि बल्लेबाज रजत पाटीदार इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये पर इससे ये नहीं कहा जा सकता कि वह आईपीएल में अच्छा नहीं खेल पायेंगे। आकाश ने कहा कि जो भी चिन्नास्वामी स्टेडियम तक पहुंचता है वह अपनी लय हासिल कर ही लेता है। वहीं आकाश ने कहा कि कप्तान डु प्लेसिस और विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिए टूर्नामेंट के पिछले सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे थे और उनकी निरंतरता इस बार भी बनी रहेगी। चोपड़ा ने कहा कि बेंगलुरु स्थित फ्रेंचाइजी के पास बैकअप के रूप में इंग्लैंड के बल्लेबाजी ऑलराउंडर विल जैक भी हैं। चोपड़ा ने कहा, इस टीम में बैकअप के रूप में विल जैक भी हैं। इसलिए टीम के पास काफी विकल्प हैं। शीर्ष पांच या छह उतने अच्छे हैं जितना आप कर सकते हैं। फाफ और कोहली पिछले साल बहुत बेहतर थे और ग्लेन मैक्सवेल भी निखर गये थे। इसके अलावा टीम के पास कैमरून ग्रीन जैसा शानदार बल्लेबाज है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि जो कोई भी चिन्नास्वामी स्टेडियम में आता है, वह अपनी फॉर्म वापस पा लेता है। उन्होंने कहा, उनकी बल्लेबाजी को देखें। शुरुआत में आपके डु प्लेसिस और विराट होंगे। उसके बाद ग्रीन और उसके बाद मैक्सवेल या पाटीदार आते हैं। ये पांच बेहतरीन बल्लेबाज हैं।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाना चाहते हैं अराइजीत

नई दिल्ली । ड्रैग फ्लिकर और स्ट्राइकर अराइजीत सिंह हुंडल पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाना चाहते हैं। उनके दादा और पिता भी हॉकी खिलाड़ी थे पर राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाये थे। अब अराइजीत इस सपने को पूरा करना चाहते हैं। अराइजीत ने कहा, 'अगर मैं पेरिस ओलंपिक टीम में जगह बना पाता हूं तो हमारे घर पर जश्न का माहौल रहेगा। सबके चेहरे पर ऐसी खुशी होगी जो मैंने भी कभी नहीं देखी होगी। मैं भी वैसी खुशी देखना चाहता हूं और टीम में जगह के लिए पूरी ताकत लगा दूंगा। अराइजीत अभी ओलंपिक तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले भुवनेश्वर में जारी राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास कर रहे हैं। इस खिलाड़ी ने इस साल दक्षिण अफ्रीका दौरे से सीनियर टीम में पदार्पण किया था। 20 साल के इस खिलाड़ी ने दिसंबर में कुआलालम्पुर में खेले गए जूनियर विश्व कप में कोरिया के खिलाफ एक हैट्रिक सहित भारत की ओर से सबसे अधिक चार गोल किए थे। उन्होंने कहा, 'मेरे परिवार का सपना है कि मैं ओलंपिक खेलूं। दादाजी हॉकी खेलते थे। पापा के तीन भाई थे और सभी राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी खेले हैं। सभी को हॉकी के आधार पर ही नौकरी मिली पर भारतीय टीम में कोई जगह नहीं बना सका। उन्होंने कहा, 'मेरे पापा 1999 में राष्ट्रीय शिविर में थे लेकिन पारिवारिक कारणों से उन्हें बीच में शिविर छोड़कर जाना पड़ा। अंत में अब मैं ही रह गया हूं क्योंकि मेरे अलावा अब परिवार में कोई नहीं खेलता पर मुझे भरोसा है कि मैं उनके सपने पूरे करूंगा। अराइजीत ने कहा कि सीनियर स्तर पर खेलना बिल्कुल अलग होता है। मैंने तीन चार साल जूनियर हॉकी खेली और दो विश्व कप भी खेल चुका हूं। पिछले विश्व कप में मेरे प्रदर्शन को देखकर ही सीनियर टीम में जगह मिली है। उन्होंने कहा, 'मुझे दक्षिण अफ्रीका में पदार्पण का मौका मिला और फिर भारत में एफआईएच प्रो लीग में नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ अवसर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

आठ अप्रैल को होगा आरसीए अध्यक्ष पद का चुनाव

जयपुर । राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव अगले माह 8 अप्रैल को होंगे। इसके लिए नामांकन 4 अप्रैल से शुरु होगा। आरसीए से वैभव गहलोत के इस्तीफे के बाद से ही धनंजय सिंह कार्यवाहक अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे थे। वहीं अब स्थायी अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया अपनाई जा रही है। आरसीए के सचिव की ओर से जारी की गई सूची में धनंजय सिंह खींवसर अध्यक्ष पद के दावेदार हैं। प्रदेश में सरकार बदलने के बाद पिछले महीने फरवरी 2024 में चूरू जिला क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव हुए थे। आरसीए के तत्कालीन अध्यक्ष वैभव गहलोत ने उपाध्यक्ष शक्ति सिंह को चूरू भेज कर चुनाव प्रक्रिया कराई थी। चुनाव में पराक्रम सिंह राठौड़ चूरू जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए लेकिन आरसीए के सचिव भवानी सिंह सामोता ने इस चुनाव परिणाम को मानने से इनकार कर दिया। आरसीए के चुनाव में प्रदेश के सभी 33 जिला संघों के पदाधिकारी चुनाव लड़ सकते हैं लेकिन मतदान का अधिकार केवल जिला सचिव के पास है। 33 जिला सचिवों के साथ दो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गगन खोड़ा और पंकज सिंह भी मतदाता हैं। ऐसे में कुल 35 व्यक्ति मतदान कर सकते हैं। जिला अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी चुनाव तो लड़ सकते हैं लेकिन वे मतदान नहीं कर सकते।15 मार्च को आरसीए सचिव की ओर से वोटर लिस्ट जारी की गई है। अब 27 से 29 मार्च तक वोटर लिस्ट पर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। 1 और 2 अप्रैल को आपत्तियों पर सुनवाई होगी। 3 अप्रैल को चुनाव अधिकारी फाइनल वोटर लिस्ट जारी करेंगे। इसके बाद 4 अप्रैल को नोटिफिकेशन जारी होगा और इसके साथ ही नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी। 7 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे वहीं आठ को मतदान होगा।

ईशान किशन ने मैदान गंदा करने वालों को सुनाई खरी-खरी

मुंबई । आईपीएल के इस सीजन में विवादों में घिरे क्रिकेटर ईशान किशन के पास शानदार प्रदर्शन करके खुद को फिर से साबित करने का एक सुनहरा मौका है। यह सीजन 22 मार्च से शुरू होने जा रहा हैं। विवादों के चलते दुनिया की सबसे महंगी टी-20 लीग से पहले यह बल्लेबाज कुछ उखड़ा-उखड़ा सा नजर आ रहा है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस प्रैंचाइजी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से ईशान किशन का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए प्रैक्टिस सेशन के दौरान पानी की बोतलें इधर-उधर न फेंकने का आग्रह कर रहे हैं। मुंबई इंडियंस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में ईशान किशन ने कहा, हर कोई अभ्यास के लिए आता है। लेकिन जहां भी वे जाते हैं, उन्हें हर जगह पानी की बोतलें नहीं फेंकनी चाहिए। कोशिश करें और अपने मैदान को साफ रखें। बस छोटी चीजें और आप हर चीज में सुधार करेंगे। छोटे बदलाव भी महत्वपूर्ण हैं, जो आपको करना चाहिए। इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और अपने कमेंट्स और लाइक्स की लाइन लगा दी हैं। गौरतलब है कि रणजी ट्रॉफी सहित राष्ट्रीय और घरेलू मुकाबले से बाहर रहना ईशान किशन को उस वक्त भारी पड़ा, जब बीसीसीआई ने अपने सैंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। अब यह युवा विकेटकीपर बल्लेबाज आईपीएल में शानदार कमबैक के साथ सिलेक्टर्स का ध्यान खिंचना चाहता हैं। पिछले सीजन में, मुंबई इंडियंस ने प्लेऑफ में जगह बनाई थी, लेकिन गुजरात टाइटंस ने उसे हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाना चाहता हूं : जुरेल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचने वाले युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल का कहना है कि वह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। पदार्पण के बाद से ही जिस प्रकार जुरेल ने खेला है उससे उनकी तुलना पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से हो रही है। इसको लेकर इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि धोनी से किसी की भी तुलना नहीं हो सकती। साथ ही कहा कि धोनी की कोई भी खिलाड़ी बराबरी नहीं कर सकता। धोनी केवल एक हैं और एक ही रहेंगे। जुरेल ने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ संपन्न 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके साथ ही उनकी विकेटकीपिंग भी अच्छी रहीं। बल्लेबाजी में भी जुरेल ने दबाव के अवसरों पर अपनी उपयोगित साबित क। वह डीआरएस लेने के मामले में भी कप्तान रोहित शर्मा को सलाह देते दिखे। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने उनकी प्रशंसा करते हुए धोनी से तुलना कर दी थी। उन्होंने इसपर गावस्कर को धन्यवाद दिया और साथ ही कहा कि व्यक्तिगत तौर पर मेरा मानना है कि धोनी सर ने जो किया उसे कोई भी दोहरा नहीं सकता। जुरेल ने कहा, ' धोनी तो एक ही हैं। हमेशा थे और सदा रहेंगे। मेरे लिए, मैं केवल ध्रुव जुरेल बनना चाहता हूं. मैं जो कुछ भी करता हूं, ध्रुव जुरेल के रूप में करना चाहता हूं पर धोनी सर एक लीजेंड हैं और वह हमेशा ऐसे ही रहेंगे।' जुरेल ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है और इंडिया का कैप हासिल करना उनका सपना था जो सच हो गया। मुझे भरोसा था कि मैं किसी दिन टेस्ट क्रिकेट खेलूंगा और यह हो गया है। मेरे लिए यह एक सपने के सच होने जैसा रहा।' वह हमेशा से टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते थे